ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 27-12-2022

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-12-27 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-12-28	2022-12-29	2022-12-30	2022-12-31	2023-01-01
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	20.0	20.0	20.0	21.0	20.0
न्यूनतम तापमान(से.)	3.0	4.0	5.0	4.0	3.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	75	75	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8.0	8.0	8.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	310	320	270	270	310
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	1	2	2	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (20 - 26 दिसम्बर , 2022) में 0.0 मिमी वर्षा हुई व आसमान साफ रहा। अधिकतम तापमान 17.0 से 24.5 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 3.9 से 9.1 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 84 से 97 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 40 से 64 प्रतिशत एवं हवा 0.8 से 3.1 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम व पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से चली| आगामी पांच दिनों में, वर्षा की सम्भवना नहीं है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 20.0-21.0 व 3.0 - 5.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0-8.0 किमी/घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम व पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। चेतावनीः 27 से 29 दिसंबर तक जिले के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छाने तथा कुछ स्थानों में कड़ाके की ठंड पड़ सकती है। ईआरएफएस के अनुसार, 1 से 7 जनवरी के दौरान राज्य में वर्षा, अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

आईएमडी मौसम पूर्वानुमान और आपके स्थान की कृषि मौसम संबंधी सलाह अब मेघदूत मोबाइल ऐप पर अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है। कृपया निम्न लिंक से डाउनलोड करें: एंड्रॉ यड: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot आईओएस: https://apps.apple.com/in/app/meghdoot/id1474048155 इसरो-आईएम डी की वनस्पति सूचना प्रणाली द्वारा प्राप्त एनडीवीआई जो कि 0.2 से 0.4 के बीच है, जिले में वनस्पति/कृषि की प्रारम्भिक अवस्था को दर्शाता है। चेतावनीः 27 से 29 दिसंबर तक जिले के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छाने तथा कुछ स्थानों में कड़ाके की ठंड पड़ सकती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। किसान भाई फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	समय से बोए गए गेहूँ में बुवाई के 20-25 दिन बाद आवश्यकतानुसार प्रथम सिंचाई करें। प्रथम सिंचाई के 3-4 दिन बाद जब खेत चलने लायक हो जाए तब बचे हुए नाइट्रोजन की आधी मात्रा का टॉपड्रेसिंग अपराहन में करना अधिक प्रभावी होता है। गेहूँ में खरपतवार नियंत्रण हेतु दो निराई-गुड़ाई पर्याप्त होता है। पहली निराई-गुड़ाई बुवाई के 25-30 दिन बाद तथा दूसरी बुवाई के 45-50 दिन बाद करें। इससे खरपतवार तो नियंत्रण होता ही हैं साथ ही भूमि में समुचित हवा के संचार होने से कल्ले अधिक निकलते है।
जौ	जौं की पछेती दशा में बुवाई हेतु संस्तुत किस्में- ज्योति, प्रीति, मंजुला, जागृति का चुनाव करें। बीज दर 100-110 कि0ग्रा0/ हैक्टेयर व बुवाई 18-20 से0मी0 की दूरी पर कतारों में करें। बुवाई दिसम्बर के दूसरे पखवाड़े तक अवश्य पूरा कर लें।
सरसों	देर से बोई गयी तोरिया व पीली सरसों की फसल में दाना भरते समय हल्की सिंचाई करें तथा सरसों में पत्ती धब्बा रोग के नियत्रंण हेतु मैन्कोजेब का 2.5 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे। सितम्बर मे बोई गई तोरिया एवं पीली सरसों की फसल परिपक्क (लगभग 75 प्रतिशत फलिया सुनहरे रंग की) होने पर कटाई कर लें।
गन्ना	गन्ने की फसल में निराई गुड़ाई करे एवं शेष बची हुई नत्रजन की मात्रा का समय अनुसार प्रयोग करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू की फसल में पछेती झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव हेतु मैनकोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।
टमाटर	टमाटर में पीलापन लिए हुए भूरे धब्बे दिखाई देने पर मैन्कोजेब 2.5 से 3.0 ग्राम प्रति लीटर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
बैंगन	बैगन के मुर्झाने की अवस्था मे कार्बन्डाजिम 1.0 ग्राम प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें। यदि पूरा पौधा सूख रहा हो तो इसी घोल से जड़ों की सिंचाई करें।
मिर्च	मिर्च में उपरी पत्तियॉ सिकुड़ने या चित्तकबरी होने की स्थिति में संक्रमित पौधो कों निकालकर नष्ट कर दे तथा रोगवाहक कीटो के नियंत्रण हेतु किसी सर्वांगी कीटनाशी का छिड़काव करे।
आम	बागों की गहरी जुताई करे, जिससे मिज कीट, फल मक्खी, गुजिया कीट एवं जाले वाले कीट की वे अवस्थाएँ जो जमीन में दूसरे वर्ष आने तक पड़ी रहती हैं, नष्ट हो जाये।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	ठंड में पशुओं के आहार में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। अधिक ठंड की स्थिति में पशुओं को अजवाइन और गुड़ दें। पशुओं को धान की कन्नी आहार के रूप में दें। जिससें उन्हें उर्जा और गर्मी मिलती है। पशुओं को ठंड से बचाव हेतु सूखी घास, पुवाल जो जानवरों के खाने के उपयोग में नहीं आती को बिछावन के रूप में प्रयोग करें। खिड़की दरवाजों पर त्रिपाल लगा दें ताकि ठंडी हवा प्रवेश न करें। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण करवाना चाहिए।
गाय	ठंड में पशुओं के आहार में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। अधिक ठंड की स्थिति में पशुओं को अजवाइन और गुड़ दें। पशुओं को धान की कन्नी आहार के रूप में दें। जिससें उन्हें उर्जा और गर्मी मिलती है। पशुओं को ठंड से बचाव हेतु सूखी घास, पुवाल जो जानवरों के खाने के उपयोग में नहीं आती को बिछावन के रूप में प्रयोग करें। खिड़की दरवाजों पर त्रिपाल लगा दें ताकि ठंडी हवा प्रवेश न करें। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण करवाना चाहिए।